Literacy for a Billion

Movie: Jeans
Year: 1998

Song: Phoolon Mein Jo Khushboo Hai
Lyricist: Javed Akhtar

फूलों में जो ख़ुशबू है
कैसे वो आती है
तितली कहाँ से ये
सारे रँग लाती है
हवा को बाँसुरी बनाती है
संगीत कैसे
कोयल ने सीखें है
ये इतने प्यारे गीत कैसे
हैं ये अजूबे
लेकिन इक और अजूबा है
धरती से अम्बर से
पर्वत से सागर से
हमने सुना प्यार
अजूबा है ओ...
पहली नज़र में ही
जो दो दिलों में हो
हर वो क़रार
अजूबा है ओ...

फूलों से जो ख़ुशबू आए
अजूबा है
तितली जो सारे रँग लाए
अजूबा है
बाँसुरी का ये संगीत
अजूबा है
कोयल जो गाती है गीत
अजूबा है

ये भी हैरान हैं
ऐसा भी एक अजूबा है

ता रा रा रा ...
ओ ओ ...
ता रा रा रा ...
ओ ओ ...

डाली में महक होती ही नहीं
कलियों में महक आ जाती है
ये भी अजूबा ही है
सागर से घटा जो उठती है
मीठा पानी बरसाती है
ये भी अजूबा ही है

जंगल में जुगनूँ को
देखो तो ये सोचो
ये रौशनी इसमें आई कैसे
तन में जो है जान
वो किस तरह है
मन में है अरमाँ
तो किस तरह है
कह भी दो
ये भी तो
कोई अजूबा है

धरती से अम्बर से
पर्वत से सागर से
हमने सुना प्यार
अजूबा है ओ...

पहली नज़र में ही
जो दो दिलों में हो
हर वो क़रार
अजूबा है ओ ...

फूलों से जो ख़ुशबू आए
अजूबा है
तितली जो सारे रँग लाए
अजूबा है
बाँसुरी का ये संगीत
अजूबा है
कोयल जो गाती है गीत
अजूबा है

ये भी हैरान हैं
ऐसा भी एक अजूबा है

अजूबा अजूबा ...

कहने को सात अजूबे हैं
पर शायद लोग ये भूले हैं
इक और अजूबा भी है
रेशम रेशम चंदन चंदन
तेरा महका महका ये बदन
कोई अजूबा ही है
आँखों के नीले दरपन
होंठों का ये भीगापन
ये रूप तेरा अजूबा ही तो है

बाँहों की गर्मी
ये भी अजूबा है
हाथों की नर्मी
ये भी अजूबा है
ये चमन सा बदन
कोई अजूबा है

धरती से अम्बर से
पर्वत से सागर से
हमने सुना प्यार अजूबा है

पहली नज़र में ही
जो दो दिलों में हो
हर वो क़रार अजूबा है

फूलों से जो ख़ुशबू आए
अजूबा है
तितली जो सारे रँग लाए
अजूबा है
बाँसुरी का ये संगीत
अजूबा है
कोयल जो गाती है गीत
अजूबा है

ये भी हैराँ है
जिसपे तुम वो अजूबा हो

रा रा रा ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.